के फलस्वरूप जूनियर डाक्टर फेडरेशन आफ दिल्ली के द्वारा 5-3-81 को वोट क्लब पर एक दिन का धरना एवं भूख हड़ताल की जा रही है । फेडरेशन ने यह भी धमकी दी है कि यदि उनके समझौते का पालन सही ढंग से अविलम्ब नहीं किया जाता है तो वे सीधी कार्रवाई करने को मजबूर होंगे । डाक्टरों के 58 दिन की हड़ताल के बाद एक लिखित समझौते के अनुसार डाक्टरों की समस्याओं का समाधान निकाला गया था । जूनियर डाक्टरों ने आरोप लगाया है कि उनके समझौते का सही ढंग से पालन नहीं किया जा रहा है । उदाहरणस्वरूप डाक्टरों से सप्ताह में 48 घंटे के बजाए 70 से 100 घंटे तक काम कराया जा रहा है । कोई भी नई पोस्ट हड़ताल के बाद उनके काम के घंटे कम करने के लिए नहीं बढ़ाई गई है । स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार जो 177 पोस्ट बढ़ाई गई है वह गलत है तथा पिछली सरकार के निर्णय के द्वारा एडहाक बेसिस पर पहले से ही डेढ़ साल से काम कर रहे डाक्टरों को वर्तमान सरकार द्वारा रेगुलराइज कर दिया गया । यहां यह उल्लेखनीय है कि समझौते के अनुसार डाक्टरों के काम के अधिकतम 48 घंटे निश्चित किए गए थे । कमेटी की रिपोर्ट में जूनियर डाक्टरों के वेतन के संबंध में अभी तक कुछ घोषित नहीं किया गया है । समझौते के अनुसार रेजिडेंसी समाप्त करने के बाद सरकारी नौकरी शुरू करने पर डाक्टरों को एडवांस इंक्रिमेंट दिए जाने चाहियें, वे नहीं दिए जा रहे हैं । सरकारी नियम के अनुसार रेन्ट फ्री आवास के लिए डाक्टरों को उनकी बेसिक पे पर 25 प्रतिशत दिया जाना चाहिए जबकि उन्हें सिर्फ 15 प्रतिशत ही हाउस रेन्ट दिया जा रहा है । जूनियर डाक्टरों को हड़ताल में भाग लेने की वजह से दण्डित किया जा रहा है । हड़ताल को रागुलर नहीं किया जा रहा है । भी उल्लंघन किया जा रहा है ।

अतः अनुरोध है कि सरकार अविलंब समझौते का सही ढंग से पालन करे ताकि जूनियर डाक्टरों की सीधी कार्रवाही से होने वाली किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

(xi) TREATMENT METED OUT TO SHRI THAZHHAI M. KARUNANITHI, M.P. IN JAIL AFTER HIS RECENT ARREST

SHRI K. MAYATHEVAR (Dindigul): One of our Hon'ble Members from Tamil Nadu, Shri Thazhai M. Karunanithi, M.P. has been arrested and put behind the bars. It has come to my knowledge that apart from the fact that Shri Thazhai M. Karunanithi, MP is not being treated in the manner behaving his status as Member of Parliament. Even elementary facilities like supply of drinking water is being denied. The authorities appear to have taken the law in their own hands and declared that they would supply water etc. only when they want.

I request necessary action in the matter may be taken by the Central Government as it involves a Member of Parliament.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE (New Delhi): This is a very serious matter. Mere mention under rule 377 will not do. We would like to have a statement from the Minister.

MR. SPEAKER: This has to go first.

SHRI K. MAYATHEVAR: I gave a calling attention notice but it has been admitted only under rule 377. I have given a copy of it to the Minister.

MR. SPEAKER: He will look into it.

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur): On not a single occasion has the concerned Minister come out with a reply to points raised under rule 377.

श्री राम विलास पासवान : मिनिस्टर जवाब देते हों नहीं हैं और न ही हम लोगों को जवाब आता है । जरा इसको भी आप देखें ।

श्री रामावतार शास्त्री : कभी कभी जवाब आ जाता है हमेशा नहीं ।

(xii) REPORTED AGITATION BY WORKERS OF KATIHAR JUTE MILLS.

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर): देश के विभिन्न भागों में जूट मिलों के कर्मचारियों की स्थिति अत्यन्त दयनीय है । जब ये मजदूर अपनी समस्याओं को ले कर आंदोलन करते हैं तो उसे दबाने के लिए पुलिस अत्याचार का सहारा लिया जाता है । कटिहार जूट मिल के मजदूर चार महीने से आन्दोलन पर है । लगभग दो सौ मजदूर गिरफ्तार भी किये गए हैं तथा श्रमिक नेताओं पर पुलिस-अत्याचार मिल मालिकों की साजिश से किया जा रहा है । भारत के श्रम मंत्री ने लगभग दो माह पूर्व मुझे बताया था कि वे इस मामले को देखेंगे किन्तु अभी तक उक्त मामले का कोई समाधान नहीं निकल सका है । अतः मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि उक्त मामले में सरकार शीघ्र हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान निकलवाने का प्रयास करे तथा श्रमिकों पर अत्याचार बन्द किया जाए ।

12.38 hrs.

RAILWAY BUDGET 1981-81—GENERAL DISCUSSION—*Contd.*

रेल मंत्री (श्री केदार पांडे): मान्यवर, हमें इस बात की बड़ी खुशी है कि इस सदन में 55 माननीय सदस्यों ने बहस में भाग लिया और रेलवे बजट पर अपने विचार प्रकट किए । मैं उन माननीय सदस्यों तथा दूसरे माननीय सदस्यों को भी धन्यवाद देता हूं और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता जाहिर करता हूं कि उनकी कीमती राय, उनके कीमती विचार मुझे मिल सके जो मेरे लिए गाइड लाइंज हो सकते हैं ।

शुरू में ही मैं यह कह देना चाहता हूं कि रेलवे की जो बात है इसको राजनीति से जरा ऊपर रखा जाए ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (नई दिल्ली): कितना ऊपर ?

श्री केदार पांडे : जितना आप समझें ।

इस देश की अगर आर्थिक स्थिति को अच्छा करना है, आर्थिक विकास भारत का करना है तो उस हालत में इस देश का एग्रो इंडस्ट्रियल बेस मजबूत होना चाहिए । बिना इस को मजबूत किए इस देश की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होगी । अगर आप इंडस्ट्रियलाइजेशन की भी बात करते हैं तो उसी के लिए रा मैटीरियल चाहिए, जो फिनिश्ड प्रोडक्ट्स है उनका ढोने की व्यवस्था होनी चाहिए । इन सब के लिए तो रेल की जरूरत है, गुड्स ट्रेन की जरूरत है । और अगर अन्न काफी पैदा हुआ तो ढोने के लिए भी रेल के पास जाना है । इसी तरह से फर्टिलाइजर्स की अगर जरूरत है, अभी साढ़े तीन लाख टन फर्टिलाइजर्स हमने एक जगह से दूसरी जगह ढोया है, उसके लिए भी रेल चाहिए । इसलिये भारत की इकोनामिक ऐक्टिविटी का नर्व सेन्टर इंडियन रेलवेज है, और इस बारे में दो मत नहीं है । जितने माननीय सदस्य है सब इसको मानते हैं । यह हमारा लक्ष्य है, हम चाहते हैं कि गरीबी दूर हो जाये । गरीबी दूर करने का प्रेस्क्रिप्शन समाजवाद छोड़ कर और कुछ नहीं है । अगर समाजवाद इस देश में लाना है तो उसके लिये भी फिर रेल के पास जाना है । और इस देश का अगर नेशनल इंटेग्रेशन चाहते हैं तो फिर रेल के पास आइये।

हमें इस बात की खुशी है कि इस सदन में पहले जो जो हमारे रेल मंत्री थे वे लोग मौजूद हैं—बाबू जगजीवन राम जी, माननीय दंडवते जी बैठे हुए हैं, माननीय कमलापति त्रिपाठी जी यहां नहीं हैं । और जितने रेल मंत्री हुए उनका मैं आदर करता हूं, रिगार्ड जाहिर करता हूं क्योंकि उन्होंने देश की खिदमत की है और रेल चलायी है । और मेरा भी उसमें सहयोग है यद्यपि उतना पुराना नहीं जितना बाबू जगजीवन राम का है, लेकिन हम 1942 ब्रांड के फ्रीडम फाइटर हैं और उसके बाद से हम इसी में लगे हुए हैं । यह इसका इतिहास है, बड़े बड़े लोग रेल मंत्री बने माननीय लाल बहादुर शास्त्री, श्री एस. के. पाटिल, माननीय दंडवते जी, इन सब का कंट्रीब्यूशन है, इसलिये सब के प्रति आदर प्रकट करता हूं ।